

तारीख
हुक्म

29-5-26

वकील इनामपुरा जय वकील सामल ने अपने
पत्रिकापत्र के अनुसार वहन करते हुए कहा कि
बिवाही भूमि से गोरामलान का कोई हस्तगत
नहीं है। गोरामलान जबरन बिवाही भूमि पर
निर्माण कार्य करता चले है। जबकि गोरामलान
को न्यायालय द्वारा दि. 15-10-18 को नोटिस व रिपोर्ट की
प्रतिलिपि बताने रखने हेतु पाबंद कर रखा है।
इसलिए भूमि को कब्जे रात बिना बाका भूमि
पर रिपीट नियुक्त किया जावे।

वकील गोरामलान ने वहन में कथन किया कि बिवाही
भूमि पर पूर्व से ही न्यायालय का स्वगत है। गोरामलान
द्वारा कोई नया निर्माण नहीं किया है। जो निर्माण
है वह राते से पूर्व का है। इसलिए पत्रिकापत्र
रिपीटरी निरस्त परमादा जावे। पत्रावली का
अवलोकन किया। वहन पर मन्त्र किया गया।

बिवाही भूमि की खोजेपली सामल के नाम पर
है। परन्तु न्यायालय द्वारा उक्त बिवाही भूमि
के बाहर दि. 15-10-18 को रिपोर्ट व नोटिस की
प्रतिलिपि के आदेश दिये गये हैं। गोरामलान के
कथनानुसार भूमि पर कोई नया निर्माण नहीं है।
सामल द्वारा भूमि पर नया निर्माण होने पर भूमि
को लेकर अन्य कोई विवाद या कोई मुकदमा
उठने का बहर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है।
विशेष यह उपाधि हो तब कि भूमि पर
स्वगत के बावजूद स्वगत का लगातार
उल्लंघन किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में
रिपीटरी नियुक्त किया जाना एक कठोरतम
कार्यवाही है जो उचित नहीं है।

अतः सामल द्वारा प्रस्तुत रिपीटरी पत्रिकापत्र
आधार हीन होने के कारण खरीद किया
जा रहा है। पत्रावली के तल मुमाद होकर
नम्बर से कम हो जाय तकमील मूल
बाद के तल तलान रहे।

[Handwritten signature]